राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 223 | जौनपुर | गुरूवार, 03 अप्रैल 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

वाराणसी में तीन ठग अरेस्ट

वाराणसी, संवाददाता। कोतवाली पुलिस ने तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर नकली सोने को असली बता ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से धोखाधड़ी कर बदले गए 12 लाकेट और 2 अंगूठी (बरामद आभूषण का कुल वजन 138.900 ग्राम) बरामद किया है। एसीपी कोतवाली प्रज्ञा पाठक ने बताया कि बाबा काल भैरव मंदिर रोड पर स्थित एक सराफा की दुकान में तीन अभियुक्तों ने लड़की की शादी का बहाना बनाकर पुराने सोने के आभूषणों को बदलने की साजिश रची थी। तीन जालसाजों ने दुकानदार को भरोसे में लेकर आभूषण बदले और मौके से फरार हो गए। संदेह होने पर जब दुकानदार ने आभूषणों की जांच कराई, तो पता चला कि आभूषण नकली हैं। इस पर दुकानदार ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराया।

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बिगड़ी तबीयत, इलाज के लिए ले जाया जाएगा दिल्ली

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव की तबीयत ब्लड शुगर बढ़ने के कारण बिगड़ गई है। जानकारी के अनुसार, यह समस्या उनके नियमित रूटीन चेक–अप के दौरान पता चली, जहां मेडिकल रिपोर्ट में ब्लड शुगर के स्तर में चिंताजनक वृद्धि देखी गई। सूत्रों के अनुसार, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री को आगे की जांच और उपचार के लिए जल्द ही दिल्ली एम्स जाने की उम्मीद है। यादव पिछले दो दिनों से अस्वस्थ थे, लेकिन बुधवार सुबह उनकी हालत और गंभीर हो गई।

हुआ था किडनी ट्रांसप्लांट

उनका स्वास्थ्य उनके परिवार और समर्थकों के लिए चिंता का विषय रहा है, खासकर उनके लंबे मेडिकल इतिहास को देखते हुए। पिछले साल सितंबर में यादव ने मुंबई में एंजियोप्लास्टी करवाई थी, जो हृदय संबंधी समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इससे पहले, 2022 में सिंगापुर में उनका किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था, जहां उनकी छोटी बेटी रोहिणी आचार्य ने उन्हें किडनी दान की थी। उनके मेडिकल इतिहास में 2014 में की गई ओपन–हार्ट सर्जरी भी शामिल है।

चल रही जांच

आरजेडी प्रमुख के स्वास्थ्य के बारे में यह ताजा जानकारी ऐसे समय में आई है जब उनके और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ जमीन के बदले नौकरी घोटाले के मामले में जांच चल रही है।

इस मामले में 19 मार्च को प्रवर्तन विभाग (ईडी) ने यादव से करीब चार घंटे तक पूछताछ की थी।

यादव की सबसे बड़ी बेटी मीसा भारती, जो पाटलिपुत्र से आरजेडी सांसद भी हैं, अपने पिता के साथ मौजूद थीं।

कानून सबको स्वीकार करना पड़ेगा, वक्फ बिल पर अमित शाह ने भरी हुंकार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज लोकसभा में कहा कि मैं अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगी द्वारा पेश किए गए वक्फ विधेयक का पूर्ण समर्थन करता हूं। इसके साथ ही उन्होंने विपक्ष पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि एक सांसद ने पहले धमकी दी थी कि अल्पसंख्यक इस कानून को स्वीकार नहीं करेंगेय यह भारत सरकार का, संसद का कानून है, सभी को इसे स्वीकार करना होगा। उन्होंने कहा कि वक्फ परिषदों और बोर्डों में गैर–मुस्लिमों को शामिल किया गया है, ये निकाय पूरी तरह से घोषित उद्देश्यों के अनुसार संपत्तियों का प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए हैं। अमित शाह ने दावा किया कि अगर 2013 में वक्फ में संशोधन नहीं किया गया होता तो इस (संशोधन विधेयक) विधेयक की जरूरत ही नहीं पड़ती। सब कुछ ठीक चल रहा था। लेकिन 2014 में चुनाव हुए और 2013 में रातों–रात तुष्टीकरण के लिए वक्फ अधिनियम में बदलाव कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि नतीजा यह हुआ कि कांग्रेस सरकार ने लुटियंस दिल्ली में 123 वीवीआईपी संपत्तियों को वक्फ को सौंप दिया, जबकि चुनाव आने में बस 25 दिन बचे थे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि तीन तलाक, सीएए पर भी डर फैलाया गया। उन्होंने सवाल किया कि बताइए सीएए से किसकी नागरिकता गई? उन्होंने कहा कि एक और भ्रांति फैलाई जा रही है कि यह विधेयक पिछली तिथि से लागू होगा। जब आप इस सदन में बोलें तो जिम्मेदारी से बोलें। विधेयक में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि विधेयक पारित होने के बाद सरकार द्वारा अधिसूचना जारी किए जाने के बाद कानून लागू होगा। इसलिए, कोई पिछली तिथि से लागू होने वाला कानून नहीं है। लेकिन मुसलमानों को डराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वक्फ का कानून किसी के द्वारा दान की गई संपत्ति को विनियमित करना है, चाहे उसका प्रशासन ठीक से चल रहा हो या नहीं, चाहे वह कानून के अनुसार चल रहा हो या नहीं।

दान जिस उद्देश्य के लिए दिया जा रहा है, वह इस्लाम धर्म के लिए दिया जा रहा है, गरीबों के उत्थान के लिए दिया जा रहा है या नहीं। या उसका उपयोग उस उद्देश्य के लिए किया जा रहा है या नहीं।

भ्रम फैला रहा विपक्ष

धार्मिक संस्थाओं के प्रबंधन में किसी गैर–मुस्लिम को शामिल करने का कोई प्रावधान नहीं है, हम ऐसा नहीं करना चाहते। यह बहुत बड़ी भ्रांति है कि यह कानून मुसलमानों के धार्मिक आचरण में हस्तक्षेप करेगा और उनके द्वारा दान की गई संपत्ति में हस्तक्षेप करेगा।

यह भ्रांति अल्पसंख्यकों में अपने वोट बैंक के लिए डर पैदा करने के लिए फैलाई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

कुकी संगठनों ने दिल्ली में होने वाली वार्ता से पहले तीन पूर्व शर्तें रखीं

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्रालय द्वारा नयी दिल्ली में कुकी जो और मेइती समूहों के बीच पांच अप्रैल को होने वाली वार्ता से पहले मणिपुर के कांगपोकपी जिला स्थित कुकी नेतृत्व ने तीन पूर्व शर्तें रखी हैं। इन शर्तों में मेइती समुदाय की बहुलता वाले क्षेत्रों में कुकी समुदाय के लोगों और कुकी समुदाय की बहुलता वाले क्षेत्रों में मेहती समुदाय के लोगों की आवाजाही को प्रतिबंधित करना शामिल है। कुकी जो काउंसिल (केजे डसी) के अध्यक्ष हेनलियान थांग थांगलेट ने कहा कि मंगलवार को कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी (सीओटीयू) द्वारा कांगपोकपी में आयोजित परामर्श बैठक के दौरान तीन शर्तें तय की गईं। थांगलेट ने कहा कि तीन पूर्व–शर्तें हैं ''कुकी–जो समुदाय की बहुलता वाले क्षेत्रों में मेइती समुदाय के लोगों और मेइती समुदाय की बहुलता वाले क्षेत्रों में कुकी–जो समुदाय के लोगों की आवाजाही को प्रतिबंधित किया जाए।

उनको राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे 'पार्ट टाइम' समझते हैं –अखिलेश यादव

लखनऊ, एजेसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज करते हुए कहा कि उनको राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे 'पार्ट टाइम' समझते हैं। सपा प्रमुख ने योगी आदित्यनाथ के एक बयान पर तंज किया, जो उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' के साथ एक विशेष साक्षात्कार के दौरान व्यक्त किया। यादव ने कहा, "दरअसल

जो वक्फ कहे वही सही, देश का दूसरा विभाजन नहीं होने देंगे - अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर बोलते हुए भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने विपक्षी दलों पर इस विधेयक का विरोध करने के लिए निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विभाजन धार्मिक आधार पर हुआ था, इसलिए हम देश का दूसरा विभाजन नहीं होने दे सकते। ठाकुर ने कहा कि भारत ने 1947 में विभाजन देखा है। वह विभाजन एक परिवार और एक पार्टी की वजह से हुआ था। आज हम भूमि जिहाद के नाम पर दूसरा विभाजन नहीं होने देंगे। हम ऐसा नहीं होने देंगे। भारत को वक्फ बोर्ड के डर से मुक्ति चाहिए।

वक्फ भ्रष्टाचार का अड्डा

अनुराग ठाकुर ने कहा कि नया कानून कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति के ताबूत में आखिरी कील साबित होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वक्फ विधेयक का विरोध कर रही है क्योंकि उन्होंने वक्फ की जमीन का बड़ा हिस्सा हड़प लिया है और उन्हें डर है कि उनका पर्दाफाश हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वक्फ भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वक्फ संशोधन बिल अन्याय की जड़ पर प्रहार है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस जाति, धर्म, क्षेत्र के नाम पर बांटती है।

सशक्तिकरण का प्रतिक

भाजपा सांसद ने कहा कि ये बिल नहीं बल्कि उम्मीद (एकीकृत वक्फ प्रबंधन सशक्तिकरण, दक्षता और विकास) है। इस उम्मीद में सशक्तिकरण है, दक्षता है और विकास है। इसे देखते हुए देश के लोग इसका समर्थन कर रहे हैं।

कैथोलिक बिशप कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया, चर्च ऑफ भारत, केरल काउंसिल ऑफ चर्चेज और केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल, ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच जैसे कई संगठनों ने इसका समर्थन किया है। मैं इसके लिए उनका धन्यवाद करता हूँ।

राहुल पर वार

उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि वक्फ में संशोधन किया जाए क्योंकि ये अत्याचार और भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। अब समय आ गया है कि इसे खत्म किया जाए और इसमें संशोधन किया जाए। भारत को वक्फ के डर से मुक्ति चाहिए क्योंकि कांग्रेस के समय जो वक्फ कानून बना था उसका मतलब था श्खाता न बही, जो वक्फ कहे वही सहीश। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी के इस दावे पर पलटवार किया कि देश को कुछ चुनिंदा लोगों द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या वह वक्फ के उन 200 सदस्यों का भी विरोध करेंगे, जिनके पास देशभर में लाखों करोड़ रुपये की जमीन है।

सीएम स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी से वक्फ संशोधन विधेयक वापस लेने का आग्रह किया

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को वापस लेने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि इस विधेयक से मुसलमानों के हितों को नुकसान पहुंचेगा। स्टालिन ने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को अपने–अपने धर्म के पालन करने का अधिकार देता है और इसे (अधिकार को) बनाए रखना तथा उसकी रक्षा करना निर्वाचित सरकारों का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि वक्फ अधिनियम, 1995 में प्रस्तावित संशोधनों में अल्पसंख्यकों को दी गई संवैधानिक सुरक्षा को ध्यान में नहीं रखा गया है और इससे ''मुस्लिम समुदाय के हितों को गंभीर नुकसान पहुंचेगा।'' मुख्यमंत्री पहले ही वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध कर चुके हैं। उन्होंने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से व्यक्तिगत हस्तक्षेप की मांग की और रेखांकित किया कि कुछ दिन पहले तमिलनाडु विधानसभा ने एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र से विधेयक वापस लेने का आग्रह किया था। स्टालिन ने कहा कि मौजूदा वक्फ अधिनियम के प्रावधान समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं और वे वक्फ की संपत्तियों को सुरक्षा प्रदान करते हैं। उन्होंने दावा किया कि वक्फ अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और संरक्षण में वक्फ बोर्डों की शक्तियों और जिम्मेदारियों को कमजोर कर देंगे। मुख्यमंत्री ने यह दावा भी किया कि मौजूदा अधिनियम में बड़े पैमाने पर प्रस्तावित संशोधन इसकी मूल भावना को कमजोर करेंगे।

सीएम योगी ने पढ़ाया अनुशासन का पाठ

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के विकास से लेकर कानून व्यवस्था तक खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि राज्य तेजी से आर्थिक प्रगति कर रहा है। 2030 तक यह देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसकी प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के बराबर होगी। सीएम ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके आठ साल के कार्यकाल के दौरान, उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। पिछले कुछ दशकों में राज्य के विकास की उपेक्षा करने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना की।

हमें विश्वास है 2029–30 तक

लक्ष्य हासिल कर लेंगे

उन्होंने कहा कि जब भारत स्वतंत्र हुआ, तो उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के बराबर थी। 2016–17 में यह राष्ट्रीय औसत के एक तिहाई तक कम हो गई। हम इसे 2016–17 के स्तर से दोगुना करने में सफल रहे हैं। मेरे आकलन के अनुसार, उत्तर प्रदेश देश की नंबर वन अर्थव्यवस्था होगी। सीएम ने कहा कि हमने एक समय सीमा तय की है और जिस तरह से हम विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं, हमें विश्वास है कि हम 2029–30 तक अपने लक्ष्य हासिल कर लेंगे। आठ साल के कार्यकाल की उपलब्धियों से जुड़े सवाल के जवाब में सीएम ने कहा पिछले आठ वर्षों में हमने उन कार्यों को पूरा करने का प्रयास किया है, जो पिछली सरकारें 70 वर्षों में हासिल नहीं कर सकीं। 1947 से 2017 के बीच 70 वर्षों में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था 12–12.5 लाख करोड़ रुपये के दायरे में थी और देश में सातवें या आठवें स्थान पर थी।श्श उन्होंने कहा, षपिछले आठ वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था 27.5 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई है और देश में दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनकर उभरी है।

मैं खुद को विशेष नहीं मानता

आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि भारतीय परंपरा धर्म को स्वार्थ से नहीं जोड़ती है। क्या वह खुद को एक धार्मिक व्यक्ति या एक राजनीतिक नेता के रूप में अधिक मानते हैं? इस पर सीएम ने जोर देकर कहा, मैं एक नागरिक के रूप में काम करता हूं और खुद को विशेष नहीं मानता।

एक नागरिक के रूप में, मेरे संवैधानिक कर्तव्य पहले आते हैं। मेरे लिए, राष्ट्र सर्वोपरि है। अगर देश सुरक्षित है, तो मेरा धर्म सुरक्षित है। जब धर्म सुरक्षित है, तो कल्याण का मार्ग अपने आप खुल जाता है।

नाम नहीं... काम से याद किया जाए

यह पूछे जाने पर कि वह कैसे चाहते हैं कि उन्हें या उनकी विरासत को याद किया जाए? इस पर सीएम ने जबाव दिया कि दूसरों को उन्हें याद करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि वह हमेशा मौजूद हैं।

दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी अस्वीकार्य – मुख्यमंत्री ममता

कोलकाता, एजेसी। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस दवाओं की कीमतें बढ़ाने के केंद्र के फैसले के विरोध में 4–5 अप्रैल को पूरे राज्य में प्रदर्शन करेगी। बनर्जी ने दवाओं की कीमतों में वृद्धि को तत्काल वापस लेने की भी मांग की। उन्होंने यहां राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा, ''दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी के फैसले से मैं स्तब्ध हूं। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। मैं मूल्य वृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग करती हूं।'' मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी के फैसले के खिलाफ 4–5 अप्रैल को "हर ब्लॉक और वार्ड" में विरोध प्रदर्शन करेगी। बनर्जी ने सभी समुदायों के लोगों से रामनवमी के दौरान शांति बनाए रखने और किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की अपील भी की।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को नया झटका, ईडी ने लोकायुक्त रिपोर्ट के खिलाफ किया कोर्ट का रुख

कर्नाटक, एजेंसी। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को एक नया कानूनी झटका लगा है, क्योंकि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) से जुड़ी कथित अनियमितताओं पर लोकायुक्त रिपोर्ट के निष्कर्षों को चुनौती देते हुए जन प्रतिनिधि न्यायालय का रुख किया है। ईडी ने अपनी आठ पन्नों की याचिका में न्यायालय से लोकायुक्त की रिपोर्ट को खारिज करने का आग्रह किया है, जिसमें तर्क दिया गया है कि उसकी अपनी जांच में सिद्धारमैया और उनके परिवार द्वारा गलत काम करने के पर्याप्त सबूत मिले हैं।

एजेंसी ने दावा किया कि लोकायुक्त का निष्कर्ष, जिसमें मुडा मामले में कोई उल्लंघन नहीं पाया गया, त्रुटिपूर्ण था और उसकी जांच के निष्कर्षों का खंडन करता था। ईडी ने अपनी याचिका में कहा कि हमारी जांच में स्पष्ट रूप से अनियमितताएं सामने आई हैं और यह दावा करना गलत है कि कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। केंद्रीय एजेंसी के इस कदम से कर्नाटक में राजनीतिक लड़ाई बढ़ने की उम्मीद है, जहां विपक्ष इस मुद्दे को कांग्रेस सरकार पर निशाना साधने के लिए इस्तेमाल कर सकता है।

'जब तक बीजेपी जाएगी, पूरा देश बर्बाद हो चुका होगा - महबूबा मुफ्ती

जम्मू–कश्मीर, एजेसी। वक्फ विधेयक को लेकर संसद में चर्चा के बीच जम्मू–कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वक्फ बिल मुसलमानों को परेशान करने के लिए है। उन्होंने कहा कि वक्फ बिल मुसलमानों को कमजोर करने की चाल है। उन्होंने कहा कि पिछले 10–11 सालों से बीजेपी मुसलमानों के खिलाफ काम कर रही है। यह उसी का हिस्सा है। पहले उन्हें मारा गया, मस्जिदों को नुकसान पहुंचाया गया और दुकानें बंद कर दी गईं। वक्फ बिल लाकर वे हमारी संपत्ति जब्त करना चाहते हैं। मुसलमान क्या करेंगे?

कांग्रेस ने देश को बचाए रखा

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वे पिछले 10–11 सालों से इसे बर्दाश्त कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे हिंदू भाइयों को यह समझना चाहिए कि भारत अपनी सद्भावना और गंगा–जमुनी तहजीब के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि आज ये सब कचरे में फेंका जा रहा है। आज हमारा देश, जो एक आदर्श राष्ट्र हुआ करता था, म्यांमार की राह पर चल रहा है, जहाँ अल्पसंख्यकों और मुसलमानों को बाहर निकाल दिया जाता है। वे भूल जाते हैं कि कल वे सत्ता में नहीं होंगे। कांग्रेस ने देश को बचाए रखा। जब तक वे (बीजेपी) जाएंगे, तब तक देश बर्बाद हो चुका होगा। जिस तरह जिया–उल–हक ने देश को निराशा में धकेला, बीजेपी भी ठीक वैसा ही कर रही है।

यह विधेयक असंवैधानिक

एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने कहा कि यह विधेयक असंवैधानिक है। यह अनुच्छेद 14, 25 और 26 का पूरी तरह उल्लंघन है। यह विधेयक असंवैधानिक है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में भाजपा के पास बहुमत नहीं है। अगर वे विधेयक पारित करना चाहते हैं, तो उन्हें चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, चिराग पासवान और जयंत चौधरी के समर्थन की आवश्यकता होगी, और अगर ये लोग विधेयक का समर्थन करते हैं, तो भारत के मुसलमान उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे।

संपादकीय

अंतरराष्ट्रीय स्कूलों में बच्चों का दाखिला

भारत में अब विश्व स्तर पर अंतरराष्ट्रीय स्कूलों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। अंतर्राष्ट्रीय स्कूली शिक्षा में वृद्धि मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं, बढ़ी हुई आय और वैश्विक कैरियर के अवसरों की इच्छा से प्रेरित है। ये स्कूल व्यक्तिगत सीखने और जांच–आधारित पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं, जो शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के छात्रों को आकर्षित करते हैं। मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं में वृद्धि के साथ, भारतीय माता–पिता अपने बच्चों के लिए अंतरराष्ट्रीय बोर्ड स्कूलों की ओर अपना ध्यान बढ़ा रहे हैं, देश दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय स्कूलों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या की मेजबानी कर रहा है – न केवल एक टैग के साथ नाम पर, बल्कि संबद्धता में वैश्विक शिक्षा बोर्डों के साथ, मुंबई, बेंगलुरु जैसे भारत के अमीर शहरों में होने के अलावा, स्कूल अब सांगली में हाटकनागले, दावणगेरे में थोलाहुंसे और बैतूल में सोनाघाटी जैसी जगहों पर पहुंच रहे हैं। हर साल, कैम्ब्रिज 100 स्कूलों को जोड़ रहा है, और आईबी के 30 से 40 नए स्कूल हर साल आ रहे हैं। मध्यम वर्ग की आकांक्षा सर्वकालिक उच्च स्तर पर है। घटना मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं है, लेकिन टियर 2 और 3 शहरों में है, जहां अब बड़ी वृद्धि आ रही है क्या एक अभिभावक सीबीएसई स्कूल के लिए साल में चार लाख का भुगतान करेगा? नहीं शिक्षाविद गर्ग इस बदलाव पर प्रकाश डालते हैं, जिसमें कहा गया है कि एक अंतरराष्ट्रीय स्कूल खोलना एक रणनीतिक कदम है। संबद्धता प्रक्रिया चिकनी है, ब्रांडिंग अधिक आकांक्षात्मक है, और काफी अधिक ट्यूशन फीस थोड़ा प्रतिरोध का सामना करती है। क्या एक अभिभावक सीबीएसई स्कूल के लिए साल में चार लाख का भुगतान करेगा? नहीं, लेकिन इसे अंतरराष्ट्रीय टैग दें, और कोई भी पलक नहीं झपकते। एक ऐसी दुनिया में जहां शिक्षण संस्थान रियल एस्टेट निवेश भी हैं, अंतर्राष्ट्रीय स्कूल निजी मालिकों के भूमि–निर्माण मॉडल के साथ बड़े करीने से संरेखित करते हैं। वे स्कूलों से अधिक हैंय वे स्थिति के संकेत हैं, ध्यान से महत्वाकांक्षा और आकांक्षा की अपील करने के लिए बनाया गया है, मध्यम वर्ग अपने बच्चों को इन स्कूलों में क्यों भेज रहा है? सदी के मोड़ पर, भारत के पास आईबी कार्यक्रम की पेशकश करने वाले केवल आठ स्कूल थे, और कैम्ब्रिज (आईजीसीई) स्कूलों की उपस्थिति इतनी कम थी कि 2000 में कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं था। 2011–12 तक, कैम्ब्रिज इंटरनेशनल और इंटरनेशनल बैकलाउरेट क्रमशः 197 और 99 स्कूलों में विस्तारित हुए थे। आईएससी रिसर्च के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत में 2019 में 884 अंतरराष्ट्रीय स्कूल थे, जो जनवरी 2025 तक बढ़कर 972 हो गए हैं, जिसमें पांच वर्षों में 10% की वृद्धि हुई है। इसकी तुलना में अंतरराष्ट्रीय स्कूलों की वैश्विक गिनती 8% बढ़कर 14,833 हो गई। महाराष्ट्र 210 आईबी और आईजीसीएसई–संरेखित स्कूलों के साथ आगे बढ़ता है, इसके बाद कर्नाटक, जबकि तमिलनाडु और तेलंगाना तेजी से पकड़ रहे हैं।

वक्फ का मतलब, भारत में इसकी शुरुआत

आदित्य

मोहम्मद गोरी और कुतुबुद्दीन ऐबक से जुड़ा है इतिहास अंजनी कुमार , वरिष्ठ पत्रकार बुद्धवार को तमाम विरोध के बीच संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ बोर्ड संशोधन बिल लोकसभा में पेश कर दिया. इससे पहले संसदीय समिति जिसमें करीब 14 संशोधन जगदंबिका पाल की अगुवाई वाली जेपीसी ने स्वीकार कर लिए. संशोधित बिल को कैबिनेट ने पहले ही मंजूरी दे दी थी . यहां यह भी जानना आवश्यक हो जाता है कि आखिर वक्फ का भारत में पदार्पण कब हुआ। दो जवान घायल तो इस्लाम के भारत आने के साथ ही भारत में वक्फ की आमद मानी जा सकती है, हालांकि इतिहास इसे लेकर बहुत कुछ स्पष्ट नहीं है कि वह किस कालखंड में इसकी शुरुआत बताए. ऐसे में यह भी तय करना इतिहास के लिए मुश्किल ही है, वक्फ को औपचारिक रूप से लागू करने वाला पहला शासक कौन रहा होगा. ये सवाल ठीक ऐसा ही है, जैसा कि यह जानने की कोशिश कि वक्फ की शुरुआत कब हुई, तमाम विरोध के बीच संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ बोर्ड संशोधन बिल लोकसभा में पेश कर दिया. इससे पहले संसदीय समिति (जेपीसी) में कुल 44 संशोधन धन जगदम्बिका पाल की अगुआई वाली जेपीसी ने स्वीकार कर लिया . यह तो आप सभी जानते ही हैं कि कुछ जरूरी सवाल जो वक्फ बोर्ड से जुड़े हुए हैं अगर इनके माकूल जबाब मिल जाते हैं तो वे वक्फ के इतिहास तक का सफर हमें करा सकते हैं . वक्फ अरबी भाषा से निकला शब्द है, जिसका ओरिजिन वकुफा शब्द से हुआ है ..आखिर वक्फ है क्या ? इसे यहां जानना आवश्यक हो जाता है .तो वक्फ अरबी भाषा से निकला शब्द है, जिसका ओरिजिन वकुफा शब्द से हुआ है. वकुफा का अर्थ होता है ठहरना, रोकना. इसी से बना वक्फ, जिसका अर्थ उस संपत्ति से है, जो जन–कल्याण के लिए हो. यह एक तरीके का दान जैसा ही होता है और इसका दानदाता चल या अचल संपत्ति दान कर सकता है. जन कल्याण के लिए जो जन कल्याण के लिए जो भी दान कर दिया जाए, उसे संरक्षित करना ही वक्फ है. अब इसमें घर, खेत, जमीन–मैदान ही शामिल नहीं है, बल्कि पंखा, कूलर, साइकिल, टीवी–फ्रिज भी आ सकते हैं .कटोरा तालाब इलाके में कार्रवाई शर्त यही है कि, इसे जनकल्याण की मकसद से दान किया गया हो. जो ये दान देते हैं, ऐसे दानदाता को 'वाकिफ' कहा जाता है. वाकिफ ये भी तय कर सकता है कि जो दान दिया गया है . उसका या उससे होने वाली आमदनी का इस्तेमाल कैसे होगा ? अगर कोई दानदाता (वाकिफ) यह कहता है कि उसके दिए गए दान से होने वाली कमाई सिर्फ यतीम बच्चों के लिए खर्च होगी, तो ऐसा ही किया जाएगा . इस्लाम में वक्फ से जुड़ी एक और कहानी वक्फ को लेकर एक कहानी भी सामने आती है. ऐसा कहा जाता है कि, एक बार खलीफा उमर ने खैबर में एक जमीन हासिल की और पैगंबर मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) से पूछा कि इसका सबसे अच्छा और बेहतरीन प्रयोग कैसे किया जा सकता है ? पैगंबर ने कहा, इस संपत्ति को रोक लो, इसके बांध लो और इससे होने वाले फायदे को लोगों के काम में लगाओ . उनकी जरूरतों पर खर्च करो. इसे न बेचा जाए, न उपहार में दिया जाए और न ही इसे विरासत में दिया जाए. इस तरह उस जमीन को वक्फ किया गया।

वक्फ बोर्ड – पैगंबर मोहम्मद साहब के समय की ऐसी ही एक घटना पैगंबर मोहम्मद साहब के समय की ऐसी ही एक घटना और सामने आती है, जब 600 खजूर के पेड़ों के एक बाग को वक्फ किया गया था और इससे होने वाली आमदनी से मदीना के गरीब लोगों की मदद की जाती थी . पैगंबर मोहम्मद साहब के समय की ऐसी ही एक घटना और सामने आती है, जब 600 खजूर के पेड़ों के एक बाग को वक्फ किया गया था और इससे होने वाली आमदनी से मदीना के से मदीना के गरीब लोगों की मदद की जाती थी. ये वक्फ के सबसे पहले उदाहरणों में से एक है. इसी तरह इजिप्ट की राजधानी काहिरा में एक बहुत पुरानी अल अजहर यूनिवर्सिटी है, जिसे अरबी संस्कृति और भाषा की पढ़ाई के लिए सबसे बेहतरीन माना जाता है. ये 10वीं सदी में बनी थी और ये भी एक वक्फ है. भारत में वक्फ कब आया ? इस्लाम के भारत आने के साथ ही भारत में वक्फ की आमद मानी जा सकती है, हालांकि इतिहास इसे लेकर बहुत क्लियर नहीं है कि वह किस कालखंड इसकी शुरुआत बताए. ऐसे में यह भी तय करना इतिहास के लिए मुश्किल ही है, वक्फ को औपचारिक रूप से लागू करने वाला पहला शासक कौन रहा होगा. ये सवाल ठीक ऐसा ऐसा ही है, जैसा कि ये जानने की कोशिश करना की श्दान की परंपरा कैसे शुरू हुई. मोहम्मद गोरी से मानी जा सकती है शुरुआत हालांकि एक तथ्य यह है कि वक्फ की संपत्ति की शुरुआत सिर्फ दो गांवों के दान से हुई थी. इन दो गांवों का कनेक्शन मोहम्मद गोरी से जुड़ा है. 12वीं शताब्दी के के आखिर में पृथ्वीराज चौहान से जीतने के बाद मोहम्मद गौरी ने सैन्य ताकत और इस्लामिक संस्थानों को बढ़ाकर अपनी सत्ता मजबूत करने की कोशिश की थी. मोहम्मद मोहम्मद गौरी ने मुसलमानों की शिक्षा और उनकी इबादत के लिए मुल्तान की जामा मस्जिद के लिए दो गांव दान में दिए थे. भारत में इसको वक्फ के पहले उदाहरण में से एक माना जाता है . यह भी कहते हैं कि भारतीय रेलवे और भारतीय सेना के बाद, वक्फ बोर्ड भारत में तीसरा सबसे बड़ा जमींदार हैं. इसकी शुरुआत 12वीं सदी के अंत में अविभाजित भारत के पंजाब के मुल्तान में हुई, और दिल्ली में राज करने वाले सुल्तानों के शासनकाल में यह फैली. वक्फ इस्लामी परंपरा का हिस्सा था और यह भारत में मुस्लिम शासकों के शासनकाल में धीरे–धीरे प्रचलन में आया वक्फ इस्लामी परंपरा का हिस्सा था . और यह भारत में मुस्लिम शासकों के शासनकाल में धीरे–धीरे प्रचलन में आया. अब अगर समय के पहिए के साथ पीछे की ओर सफर करते हुए चलें तो मिलता है कि इस्लाम के साथ 7वीं शताब्दी में अरब व्यापारियों के कदम जब दक्षिण भारत (खासकर मालाबार क्षेत्र) में पड़े तो उन्हीं के कंधों पर वक्फ ने भी भारतीय जमीन पर कदम रखा, लेकिन इसे शासकीय स्तर पर लागू करने की बात की जाए तो पहला जिक्र दिल्ली सल्तनत के शासकों को दिया जा सकता है. दिल्ली सल्तनत की शुरुआत 13वीं शताब्दी से हुई थी।

बचपन का आकर्षण

विजय

अतीत हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है। बचपन की स्मृतियों की ओर बार– बार मुड़ जाना हमें अच्छा लगता है। छूट गई चीजों से मोह उमड़ना इंसानी फितरत है। जब बचपन का घर, गांव, शहर, देश छूट जाता है तो व्यक्ति जीवन में एक बार उस शहर, देश गांव में जरूर लौटना चाहता है । इसी तरह बचपन के खेल–खिलौनों को देखकर उसके भीतर का बच्चा कुलबुला उठता है। तितलियों के पीछे भागना, पानी में छपाक–छपाक कूदना, गुड़िया – गुड्डों से खेलना जैसी बातों की स्मृति उसे आनंद से भर देती है । बचपन के इस आकर्षण को बढ़ा में जीने के लिए दुनिया में एक नया चलन चला है, जिसे किडल्टिंग नाम दिया गया है। इसके जरिए दुनिया भर में कई युवा, अधेड़ और बुजुर्ग महिलाएं, पुरुष वह सब कर रहे है जो बचपन में करना उन्हें पसंद था, या जवानी में समय के अभाव के कारण वे कर नहीं पाए। 'किडल्टिंगश शब्द दो शब्दों के मेल से बना हुआ है– किड और एडल्ट। यानी बचपन और वयस्क की संधि। मनोवैज्ञानिक कार्ला मैरी मैनली के अनुसार, व्यावहारिक रूप से देखें तो यह बचपन की जानी– पहचानी, अच्छी लगने वाली गतिविधियों की ओर एक स्वाभाविक, सरल वापसी है। मतलब बचपन में जिस लुका–छिपी के खेल को खेलकर हम रोमांच से भर उठते थे, उसी रोमांच को फिर से बुढ़ापे में खेलकर यह महसूस करने की कोशिश है। किडल्ट शब्द का इस्तेमाल पिछले कुछ वर्षों से हो रहा है, लेकिन इस चलन की लोकप्रियता में वास्तविक उछाल कोविड महामारी के शुरुआती महीनों में आया, जब सब अपने–अपने घरों में बंद पड़े भय और अवसाद से जूझ रहे थे । इस भय और निराशा को कम करने के लिए कुछ लोगों ने नए शौक पाले तो कुछ अपने पुराने बिछड़े शौक की ओर लौट आए। जब महामारी का भय कम हुआ, तब भी वयस्कों ने ऐसी गतिविधियां जारी रखीं। मतलब बचपन के शौक से जीवन में आए उत्साह को बनाए रखा। जब हम अपना मनपसंद काम करते हैं तो जीवन की चिंताओं से बेफिक्र हो जीते हैं। जो नहीं हुआ है, उसकी चिंता करना और जो हो गया है, उसकी भी चिंता करना हमारा स्वभाव होता है। इन चिंताओं के चलते हम जीवन के उल्लास से लगभग महरूम हो जा रहे हैं। 'किडल्टिंग जिंदगी के भागमभाग में फंसे, अकेले रह गए या अवसाद से जूझ रहे लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। इस संदर्भ में जाय फ्राम फियर की लेखक कार्ला मेरी मैनली का कहना है, पसंदीदा गतिविधियां करना अक्सर तनाव दूर करने के लिए एकदम सही विकल्प होता है। बड़ी कंपनियां भी ऐसी गतिविधियों के चलन को बढ़ावा देने में तेजी से जुट गई हैं। लंदन और मैड्रिड में एक संवाद संग्रहालय 'डोपामाइन लैंड अपने अंदर के बच्चे को जगाने के लिए बचपन और वयस्क अवस्था के संधिकाल की गतिविधियां करवाता है। एम्स्टर्डम में हर उम्र के लोगों के लिए बना संवाद संग्रहालय साहसी लोगों को गुलाबी मार्शमैलो के समुद्र गोता लगाने और दीवारों पर अगड़म – बगड़म कुछ भी लिखने या चित्र बनाने की सुविधा देता है। यूनाइटेड किंगडम के तीन शहरों में वयस्कों के लिए एक विशाल बाल पिट जहां हर महीने हजारों लोग मजे लेने के लिए आते हैं। दिन भर मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन से ऊबे हुए कामकाजी लोग इससे दूरी बनाने के दिलचस्प बहाने खोजने लगे हैं। बचपन की दुनिया में वापसी उन्हें पसंद आ रही है, क्योंकि इसमें वे उस बीते समय को जीते हैं, जब अधिकतर लोगों के पास मोबाइल और कंप्यूटर नहीं था । आखिर कुछ तो कारण होगा कि अपनी वर्तमान जिंदगी में तमाम सुविधाओं के बीच रहने वाले लोग भी अब ऐसी परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं।

..... स्वास्थ्य .....

बुजुर्गों के लिए डाइट प्लान, 50 की आयु के बाद क्या खाएं और क्या नहीं

उम्र बढ़ने के साथ ही शरीर की पोषण संबंधी जरूरतें बदलने लगती हैं। बढ़ती उम्र के लोगों को अधिक पोषण की आवश्यकता होती है क्योंकि जैसे–जैसे आयु बढ़ती है, शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, हड्डियां कमजोर होने लगती हैं और हृदय रोग, मधुमेह व ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अधिकतर मामलों में ये समस्या 50 की आयु के बाद देखने को मिलती है। इन सभी समस्याओं से बचाव के लिए सही खानपान बहुत जरूरी हो जाता है। पोष्टिक खान–पान अपनाकर न केवल बीमारियों से बच सकते हैं, बल्कि ऊर्जावान, फिट और खुशहाल जीवन जी सकते हैं। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से शरीर को मजबूत और सक्रिय रखा जा सकता है। ऐसे में एगर आप 50 साल की आयु या उससे अधिक उम्र के हैं तो स्वस्थ और ऊर्जावान रहने के लिए डाइट में कुछ जरूरी बदलाव लाएं। यहां 50 की आयु के बाद वाले लोगों के लिए पौष्टिक डाइट प्लान दिया जा रहा है। उन्हें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं, इसके बारे में विस्तार से जानिए।

50 की उम्र के बाद क्या खाएं?

हरी पत्तेदार सब्जियां

पालक, मेथी, बथुआ और सरसों जैसी हरी सब्जियां शरीर को आयरन, कैल्शियम और फाइबर प्रदान करती हैं, जिससे हड्डियां मजबूत रहती हैं और पाचन तंत्र सही रहता है।

प्रोटीन युक्त भोजन

इस उम्र में मांसपेशियों की मजबूती बनाए रखने के लिए प्रोटीन का सेवन जरूरी है। दालें, सोया, पनीर, अंडे, मछली, चिकन और ड्राई फ्रूट्स प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं।

फल और सूखे मेवे

सेब, केला, संतरा, पपीता, अनार, और ब्लूबेरी व स्ट्रॉबेरी) शरीर को जरूरी विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट देते हैं। साथ ही बादाम, अखरोट, अंजीर और किशमिश दिमाग और हृदय के लिए फायदेमंद होते हैं।

कैल्शियम और विटामिन डी

इस उम्र में हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, जिसे मजबूत बनाए रखने के लिए दूध, दही, पनीर, तिल, और बादाम का सेवन करें। धूप में बैठना और विटामिन डी से भरपूर चीजें खाना चाहिए।

फाइबर युक्त आहार

पाचन तंत्र को मजबूत करने के लिए दलिया, ओट्स, ब्राउन राइस, साबुत अनाज और फलियों का सेवन करें। फाइबर शरीर में कोलेस्ट्रॉल को कम करने और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

दिल के लिए फायदेमंद वसा

हृदय स्वास्थ्य को मजबूत बनाने के लिए अखरोट और अलसी के बीज का सेवन करें। ये दोनों ओमेगा–3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं, जो दिल को स्वस्थ रखते हैं।

50 की उम्र के बाद क्या न खाएं?

अधिक आयु के लोगों को ज्यादा नमक का सेवन नहीं करना चाहिए, इससे ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। वहीं अधिक चीनी का सेवन डायबिटीज और मोटापे का कारण बन सकता है।

इस उम्र के लोग प्रोसेस्ड और जंक फूड से परहेज करें। पैकेज्ड फूड, फ्राइड फूड और फास्ट फूड से बचें क्योंकि इनमें अधिक नमक, चीनी और अनहेल्दी फैट होता है।

उम्र बढ़ने के साथ कैफीन और एल्कोहॉल से दूरी बना लेनी चाहिए क्योंकि चाय, कॉफी और कोल्ड ड्रिंक्स का अधिक सेवन डिहाइड्रेशन और अनिद्रा का कारण बन सकता है। एल्कोहॉल हृदय और लीवर के लिए हानिकारक होता है।

अत्यधिक तेल और मसालेदार भोजन बुजुर्गों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। ज्यादा तला–भुना और मसालेदार भोजन पाचन संबंधी समस्याएं और एसिडिटी पैदा कर सकता है।

आटा और सफेद चावल जल्दी ब्लड शुगर बढ़ाते हैं, इसलिए इनकी जगह साबुत अनाज और ब्राउन राइस का सेवन करें। ..... एजेसी।

नेल कटर में क्यों बना होता है ये छोटा सा छेद ? समझ आएगा बड़े काम का है ये

हम अपनी दिनचर्या में कई ऐसी चीजों का इस्तेमाल करते हैं जिनकी जरूरत हमें किसी न किसी रूप में पड़ती रहती है। पर हैरानी कई बार तब होती है कि हम जिन चीजों का इस्तेमाल करते हैं, उनमें से कई चीजें ऐसी होती हैं जिनसे जुड़ी चीजों के बारे में हमें पता तक नहीं होता है। जैसे, एक चीज है नेट कटर जिसे कई नाखून कटर भी बोलते हैं क्योंकि इसका इस्तेमाल नाखून काटने के लिए ही किया जाता है। पर आपने शायद ध्यान दिया होगा कि नेल कटर के पीछे एक छोटा सा छेद होता है, पर क्या आप ये जानते हैं कि ये छेद क्यों होता है? शायद नहीं, तो आप यहां

इस बारे में जान सकते हैं...

पहला काम

अगर आपके पास भी नेल कटर है तो आपने इसमें बने हुए छेद को तो देखा ही होगा। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस छेद का इस्तेमाल आप की रिंग की तरह कर सकते हैं यानी इस छेद में आप चाबी का गुच्छा लगा सकते हैं और आपका नेट कटर छल्ला बन जाता है।

दूसरा काम

क्या आप जानते हैं नेट कटर का इस्तेमाल आप मच्छर भगाने वाली कॉइल को लगाने के लिए भी कर सकते हैं। इसके लिए आपको करना ये है कि नेल कटर के अंदर के सभी पार्ट्स को निकाल लेना है, जो आसानी से निकल जाते हैं। इसके बाद आपको इसे जमीन पर लेटाना है और फिर इसमें आप कॉइल फंसा सकते हैं।

तीसरा काम

आमतौर पर जब हमें किसी तार की बाहर की केबल छीलनी होती है तो इसके लिए हमें प्लास की जरूरत पड़ती है। पर आप नेट कटर से भी तार को छील सकते हैं। इसके लिए आपको नेट कटर के ऊपर जो कवर लगा होता है उसे हाटना है और फिर जिस तरफ से नेट काटते हैं उस हिस्से को तार के किनारे पर लगाएं और खींचे, जिससे तार छील जाती है। इसके लिए आपको तार को गर्म करने की जरूरत भी नहीं पड़ती है।

ये भी हैं कुछ काम–

नेट कटर से आप किसी स्विच बोर्ड के, किसी बर्तन के या कोई और नट बेल्ट भी खोल सकते हैं। इसका नुकीला वाला हिस्सा ये काम करता है

नेट कटर वाले छेद में धागा बांधकर इसे कहीं लटकाया भी जा सकता है या सफर में ले जाने के लिए बैग के अंदर बने हुक में भी इसे लटका सकते हैं। ....एजेसी

साबूदाना से बनने वाले 6 ऐसे व्यंजन, जो बन जाएंगे 15 मिनट में

ऐसे में हर कोई माता रानी के चौथे स्वरूप की पूजा में लगा है। अभी नवरात्रि में कई दिन बाकी हैं, ऐसे में वो लोग काफी संशय में हैं जिन्होंने नौ दिन का उपवास रखा है। उपवास रखने वाले लोगों के लिए हर रोज एक बड़ा सवाल होता है कि आखिर वो खाने में क्या बनाएं। इसी के चलते हम यहां आपको साबूदाना से बनने वाले पकवानों के बारे में बताने जा रहे हैं। ये पकवान बनाना काफी आसान है और इसे खाकर आपका मन भी खुश हो जाएगा। तो चलिए आपको भी साबूदाना से बनने वाले 6 पकवानों के बारे में बताते हैं। यदि आप साबुदाना व्यंजन बनाने का प्लान कर रही हैं तो सबसे सही विकल्प है साबूदाना खिचड़ी। एक तो इसे बनाना काफी आसान है और दूसरा ये खाने में भी स्वादिष्ट लगती है। इसे बनाने के लिए आपको 15 मिनट के भी कम समय लगेगा। साबूदाना खिचड़ी बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले कम से कम 6–7 घंटों के लिए साबूदाना को भिगो कर रख दें। जब ये फूल कर पारदर्शी दिखने लगे तो आप इससे खिचड़ी बना सकते हैं। अब इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में आलू और मूंगफली को भून लें। जब ये भुन जाएं तो घी में जीरा और हरी मिर्च डालें। अब जब ये भुन जाए तो इसमें भिगा हुआ साबूदाना डालें और अच्छे से चलाएं। इसे चलाते हुए इसमें सेंधा नमक, काली मिर्च और डालकर मिक्स करें। इसे सही से मिक्स करने के बाद ऊपर से हरा धनिया डालें और गरम ही परोसें।

साबूदाना टिक्की

इसे बनाने के लिए आपको भीगे हुए साबूदाना और उबले हुए आलू की जरूरत पड़ेगी। इसे बनाने के लिए सबसे पहले उबले आलू, हरी मिर्च, धनिया और सेंधा नमक मिलाकर मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण से छोटे–छोटे गोले बनाकर टिक्की बना लें। टिक्की बनाने के बाद इसे तवा पर घी गरम करें और इन टिक्की को घी में सेक लें। इन्हें सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेकें, ताकि ये खाने में स्वादिष्ट दिखे।

साबूदाना वड़ा

जिस तरह से साबूदाना टिक्की को तवे पर सेका जाता है, ठीक उसके उलट वड़ा को घी में तला जाता है। इसे बनाने के लिए उबले आलुओं में भीगा हुआ साबूदाना, हरी मिर्च, धनिया और सेंधा नमक अच्छी तरह से मिक्स करें। मिक्स करने के बाद इससे गोल–गोल वड़ा बना लें। अब इसे घी या मूंगफली के तेल में तल लें।

साबूदाना चीला

यदि कुछ तला हुआ खाना नहीं चाहते हैं तो साबुदाना चीला तैयार करें। इसे बनाने के लिए भीगे हुए साबूदाना को दरदरा पीस लें। चाहें तो इसे हाथ से ही मैश कर लें। अब इसमें थोड़ा सा कुट्टु का आटा, उबले आलू, हरी मिर्च, धनिया और सेंधा नमक डालकर मिश्रण तैयार करें। इस मिश्रण को न तो ज्यादा पतला रखें और न ही ज्यादा गाढ़ा। इस मिश्रण से नॉन स्टिक तवे पर साबूदाना चीला तैयार करें। इसे दोनों साइड से सुनहरा होने तक सेकें।

साबूदाना खीर

इसे बनाने के लिए आपको साबूदाना, दूध, चीनी, इलायची पाउडर, किशमिश, बादाम की जरूरत पड़ेगी। इसे बनाने के लिए सबसे पहले भीगे हुए साबूदाना को दूध में डाकर अच्छी तरह से उबाल लें। जब ये सही से पक जाए तो इसमें चीनी और इलायची पाउडर डालकर मिक्स करें। चीनी घुल जाने के बाद इसमें बादाम औक किशमिश को डालें और दो से तीन मिनट के लिए पकने दें। इसे आप गर्म या ठंडा भी परोस सकते हैं।

साबूदाना नमकीन

इसे बनाने के लिए आपको बड़े आकार के साबूदाना की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए सबसे पहले देसी घी में साबूदाना को भून लें। इसके बाद मूंगफली, मखाने और काजू–किशमिश को भी भून लें। सभी चीजों को भूनने के बाद मिक्स करें और उसमें सेंधा नमक, हल्की काली मिर्च डालें और मिलाएं। बसे इसे आप चाय के साथ खा सकते हैं। ..... एजेंसी

कार्यालय ग्राम पंचायत देहजुरी, विकास खण्ड–सिकरारा,जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0वि0 दिनांक – 02.04.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त आयोग/ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 04.04.2025 से 10.04.2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 11.04.2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष पूर्वाहन 12:00 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैर्क्स ब्लाक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट/सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान — ग्राम विकास अधिकारी/ग्राम सचिव

राजेश कुमार यादव — विनय कुमार शुक्ला

कार्यालय ग्राम पंचायत बढ़ऊली नूनीयान, विकास खण्ड–सिकरारा,जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0वि0 दिनांक – 02.04.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त आयोग/ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 04.04.2025 से 10.04.2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 11.04.2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपराह्न 02:00 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैर्क्स ब्लाक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट/सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान — ग्राम विकास अधिकारी/ग्राम सचिव

हरिश्चन्द्र — विनय कुमार शुक्ला

कार्यालय ग्राम पंचायत जनेवरा, विकास खण्ड–सिकरारा,जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0वि0 दिनांक – 02.04.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त आयोग/ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 04.04.2025 से 10.04.2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 12.04.2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपराह्न 02:00 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैर्क्स ब्लाक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट/सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान — ग्राम विकास अधिकारी/ग्राम सचिव

रानी देवी — विनय कुमार शुक्ला

कार्यालय ग्राम पंचायत सब्बेपुर, विकास खण्ड–सिकरारा,जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0वि0 दिनांक – 02.04.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त आयोग/ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 04.04.2025 से 10.04.2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 12.04.2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष पूर्वाहन 12:00 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैर्क्स ब्लाक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट/सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान — ग्राम विकास अधिकारी/ग्राम सचिव

राजीव कुमार यादव — विनय कुमार शुक्ला

व्हाट्सएप चौट के जरिए लड़कियों की डिमांड, हुक्का बार की आड़ में देह व्यापार का धंधा

गोरखपुर में ऐसे हुआ पर्दाफाश प्राप्त सूत्रो से

गोरखपुर ब्यूरो चीफ

गोरखपुर। गोरखपुर में हुक्का बार की आड़ में देह व्यापार किया जा रहा है। गीडा स्थित होटल क्राउन में नाबालिग लड़कियों से देह व्यापार कराया जा रहा था। रामगढ़ताल थाना पुलिस ने होटल संचालक संजीत जायसवाल गोला और बिचौलिया अनुराग त्रिपाठी को पकड़ लिया है। गोरखपुर में हुक्का बार की आड़ में देह व्यापार कराने के आरोपी होटल संचालक व बिचौलिए को रामगढ़ताल थाने की पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया। दोनों आरोपी धंधेबाजों से व्हाट्सएप चौट के जरिये लड़कियों की डिमांड कर होटल में बुलवाते थे। जेनिस बॉटल हुक्का बार का मालिक और इस गिरोह का सरगना अनिरुद्ध ओझा के मोबाइल की जांच में आरोपियों का व्हाट्सएप चौट मिला था। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। रामगढ़ताल थाने के प्रभारी चितवन कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों में गोला का संजीत जायसवाल गीडा में आलीशान होटल क्राउन पैलेस चलाता है। दूसरा आरोपी खजनी क्षेत्र के गाजानरसिंह कचहरी निवासी अनुराग त्रिपाठी संचालक के साथ मिलकर बिचौलिए के रूप में होटल में लड़कियां बुलाने का काम करता था। जनवरी माह में रामगढ़ताल क्षेत्र की नाबालिग के साथ शाहपुर स्थित जेनिस बॉटल हुक्का बार में सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया था। रामगढ़ताल थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की तो देह व्यापार के बड़े रैकेट का पर्दाफाश हुआ था। इसमें दोनों आरोपियों के नाम भी सामने आए, तभी से पुलिस ने देह व्यापार अधि ानियम में केस दर्ज करके इनकी तलाश में जुटी थी। रामगढ़ताल थाने के प्रभारी चितवन कुमार ने बताया कि मंगलवार को रामगढ़ताल क्षेत्र में दोनों आरोपियों की लोकेशन मिलने पर दोपहर के समय घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। संचालक संजीत जायसवाल का बॉम्बे होटल के मालिक अजय सिंह से भी संपर्क था।

छह और के नाम सामने आए

पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपियों से पूछताछ के बाद छह और लोगों के खिलाफ साक्ष्य मिले हैं। इसमें पांच आरोपी बिचौलिए हैं। वे स्थानीय और दूर–दराज के होटलों में लड़कियों को भिजवाते हैं। इसमें मोहद्दीपुर व इंजीनियरिंग कॉलेज क्षेत्र के दो होटलों के संचालक व कर्मचारियों का नाम सामने आया है। पुलिस का दावा है कि बहुत जल्द उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इस तरह हुआ देह व्यापार कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश

शाहपुर थाना क्षेत्र में गीता वाटिका के पास फ्लाई इन होटल में संचालित जेनिस बॉटल रेस्टोरेंट में हुक्का बार का संचालन हो रहा था। पुलिस ने यहां छापा मारा तो देह व्यापार की बात सामने आई। जांच में पता चला कि फ्लाई इन होटल के संचालक अनुराग सिंह, हुक्का बार संचालक अनिरुद्ध ओझा मिलकर देह व्यापार का एक बड़ा गिरोह चला रहे हैं।

अब तक इनकी हुई गिरफ्तारी

पुलिस सरगना अनिरुद्ध ओझा, फ्लाई इन होटल के मालिक अनुराग कुमार सिंह, मोहनापुर के आकाश यादव, बिछिया के रोहित छेत्री और विनय साहनी, आदित्य मौर्या और निखिल सिंह, बस्ती मुंडेरवा के उमरी अहरा निवासी राजन उर्फ वसीम अहमद, हरदोई के बघौली थाना क्षेत्र के बरवा सरसंड के विमल विश्वकर्मा और सूरज विश्वकर्मा, रेशमा खान, नंदनी शर्मा, मुस्कान, श्रेय शुक्ला और सहजनवां के अजय सिंह को गिरफ्तार कर जेल भिजवा चुकी है। हुक्का बार की आड़ में देह व्यापार प्रकरण की जांच गहनता से की जा रही है। साक्ष्य के आधार पर आरोपियों के नाम सामने आए हैं। इसी क्रम में गीडा में होटल चलाने वाले संचालक व बिचौलिया को गिरफ्तार किया गया है। कुछ और लोगों के नाम सामने आए हैं। जल्द ही कार्रवाई की जाएगी – अभिनव त्यागी, एसपी सिटी

सर्वाधिक बचत खाते खोलने के लिए पोस्ट मास्टर सम्मानित

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) वित्तीय वर्ष 2024–25 में सबसे अधिक बचत खाते खोलने के लिए शाहाबाद के पोस्ट मास्टर अमित कुमार सिंह को सम्मानित किया गया। हरदोई के डाकघर अधीक्षक मनोज कुमार गुप्ता ने शाहाबाद पोस्ट मास्टर को अपने कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि अपनी कर्मठ कार्यशैली के चलते अमित कुमार सिंह ने लखीमपुर के गोला में पोस्ट मास्टर रहते हुए गोला डाकघर को भी खाता खोलने में पूरे खीरी जनपद में प्रथम स्थान पर पहुंचाया था।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अब कर्मकांड और एआई की पढ़ाई

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल करते हुए अब कर्मकांड, ज्योतिष और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई शुरू करने का फैसला किया है। इससे छात्र प्राचीन भारतीय परंपराओं के साथ–साथ आधुनिक तकनीक में भी दक्ष बन सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि यह कदम युवाओं को नई संभावनाओं से जोड़ेगा। जहां एक ओर छात्र वेद–पुराण और ज्योतिष के विशेषज्ञ बनेंगे, वहीं दूसरी ओर ।ए इंजीनियर के रूप में भी अपना भविष्य संवार सकेंगे। यह अनूठा संयोग शिक्षा जगत में परंपरा और आधुनिकता के मेल का उदाहरण बनेगा।

भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान, लखनऊ में भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) केंद्र का उद्घाटन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। संजय त्रिपाठी, अपर महानिदेशक, भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान, लखनऊ द्वारा भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान लखनऊ भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) केंद्र का उद्घाटन किया गया । संस्थान के भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) केंद्र में वैदिक साहित्य, उपनिषद, वेद और उपवेद से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) एक प्रभाग की स्थापना अक्टूबर 2020 में की थी।जिसका उद्देश्य भारत की प्राचीन ज्ञान जो शिक्षा, दर्शन, विज्ञान, कला, संस्कृति, और जीवन के विभिन्न पहलुओं को सम्माहित करता है को पीढ़ी दर पीढ़ी व्यवस्थित रूप से हस्तांतरित करना है, इसमें वैदिक साहित्य, उपनिषद, वेद और उपवेद भारतीय ज्ञान प्रणाली में सम्मिलित किये गए है जो भारतीय

ज्ञान प्रणाली की नींव बनाते हैं। भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) केंद्र से संस्थान के संकाय सदस्यों, स्टाफ एवं संस्थान में प्रशिक्षण हेतु आने वाले प्रशिक्षु अधिकारियों को भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) से लाभ्वानित होंगे। उल्लेखनीय है कि संस्थान ने संस्थान भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) को बढ़ावा देने हेतु अपने सभी कक्षाओं, भवनों के नामकरण भी भारतीय विद्वानों के नाम पर समर्पित किये हैं । उद्घाटन के समय संस्थान के सभी संकाय सदस्य तथा स्टाफ पारंपरिक परिधान में उपस्थित रहे, संस्थान भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) को बढ़ावा देता है।

हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान" की टैगलाइन के अंतर्गत बाबा साहब की जयंती

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर शासन के निर्देश के क्रम में भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल से 28 अप्रैल 2025 तक जनपद में "हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान" की टैगलाइन के अंतर्गत उत्सव के रूप में मनायी जानी है। 14 अप्रैल से 28 अप्रैल तक प्राथमिक उच्च प्राथमिक विद्यालयों के साथ छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी का आयोजन, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के चित्र प्रतिमा पर माल्यार्पण उनके जीवन दर्शन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, न्याय पंचायत वार्ड, संविधान निर्माण की प्रक्रिया मौलिक अधिकारों अनुच्छेद 51 के अंतर्गत, उल्लेखित नागरिक कर्तव्य एवं अध्ययन संशोधनों के संबंध में मनीषियों एवं विधिवेत्ताओं के माध्यम से व्याख्यान। प्राथमिकध उच्च प्राथमिक विद्यालय व चित्रकला, निबंध, रंगोली आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। क्षेत्र पंचायत स्तर पर युवा मंगल दलों द्वारा खेल प्रतियोगिता, सामाजिक सशक्तिकरण, महिला सशक्तिकरण से संबंधित चुनौतियां और उनका सामना करने हेतु संविध ान के प्रावधानों से संबंध में जन जागरण अभियान, यातायात नियमों डिजिटल क्राइम से बचाव से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम, पूर्व दशम दशमोत्सव विद्यालय में संविधान से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कार्यक्रम, उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा महाविद्यालय में संविधान से संबंधित नियमों नवीन संशोधनों पर वाद विवाद प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाना है।

एक देश एक चुनाव विषय पर सामाजिक संगठनों का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन 7 अप्रैल को लखनऊ में – मुकुल सिंह आशा

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) एक देश एक चुनाव विषय पर समागम 7 अप्रैल को लखनऊ के इंदिरा गांध ी प्रतिष्ठान में सामाजिक संगठनों एनजीओ का एक प्रदेश स्तरीय सम्मेलन हो रहा है जिसके मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी हैं। हरदोई भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के जिला सहसंयोजक मुकुल सिंह आशा ने सभी सामाजिक संगठनों एनजीओ के साथियों से अनुरोध किया है कि आप सभी लोग 7 अप्रैल को दोपहर 3:00 बजे इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में पहुंचकर माननीय मुख्यमंत्री जी के विचारों को सुने और एक देश एक चुनाव अभियान में जुड़कर भारत देश को मजबूत करने में सहयोग करें, भाजपा नेता मुकुल

सिंह आशा ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव का विचार देश व प्रदेश के अंदर एक समग्र जन आंदोलन बने इस परिपेक्ष में सामाजिक संगठनों द्वारा आयोजित प्रदेश सम्मेलन को माननीय मुख्यमंत्री जी उत्तर प्रदेश संबोधित करेंगे आप सभी लोग प्रदेश सम्मेलन में सादर आमंत्रित हैं।

वक्फ बोर्ड संसोधन बिल को लेकर सुरक्षा की दृष्टि से मस्जिदों की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ी पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वक्फ बोर्ड संसोधन बिल को लेकर सुरक्षा की दृष्टि से गुरुवार को एहतियात के तौर पर पुलिस अधिकारियों ने भारी पुलिस बल के साथ शहर के इमामबाड़ा, अटाला मस्जिद आदि मुश्लिम बाहुल्य क्षेत्रो में फ्लैग मार्च किया,जगह जगह पर ड्रोन कैमरे से की गई निगरानी। एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव व एसपी ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सिंह में शहर व ग्रामीण क्षेत्रो में आम जनमानस से अपील किया है कि किसी के बहकावे में न आए अगर किसी प्रकार की कोई सूचना हो तो पुलिस को जरूर इन्फॉर्म करें।इस दौरान शहर कोतवाल मिथलेश मिश्रा क्षेत्राधिकारी सदर देवेश कुमार सिंह सहित भारी पुलिस बल तैनात किए गए हैं। मीडिया बातचीत में एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने कहा कि हमने डिस्ट्रिक सिक्युरिटी प्लान तैयार किया है जिसके तहत शहर के कुछ चिन्हित चौराहे है जहां पर दंगा नियंत्रण उपकरण के साथ पुलिस बल तैनात किया गया है,बक्फ बिल को लेकर किसी प्रकार की कोई बात अभी सामने नही आई है,इसके लिए भी पुलिस सतर्क है अगर कोई बात सामने आती है उसके लिए भी हम तैयार है।

महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल में मेधावी सम्मान समारोह आयोजित हुआ

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल, सचिव राजीव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नीरज अग्रवाल, प्रधानाचार्या डॉक्टर नीरा इमैनुअल एवं उप प्रध ानाचार्या शालू श्रीवास्तव के नेतृत्व में गुरुवार को विद्यालय सभागार में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। अभिनंदन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ सूर्यकांत, विभागाध्यक्ष रेस्पिरेट्री मेडिसिन किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ सूर्यकांत के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित करके हुआ। मुख्य अतिथि को सम्मान स्वरूप सम्मान मोमेंटो, अंगवस्त्र व बुके देकर सम्मानित किया गया। बच्चों ने संस्कृत के श्लोकों पर एक सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया, बच्चों ने कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिसकी सभी ने सराहना की। विद्यालय में होने वाली वार्षिक परीक्षाओं में कक्षा 8 अ की सृष्टि कुशवाहा, 8 बी के अरुणा भदोरिया, 9 ए के नितिन पांडे, 9 बी की पल्लवी मौर्य, 11जी ए के यश मौर्य, 11 बी के अगस्त मिश्रा और 11ब के आयुष ओझा प्रथम स्थान पर रहे। कक्षा में शीर्ष स्थान पर आने वाले छात्र–छात्राओं व विद्यालय में पूरे वर्ष में होने वाले भिन्न–भिन्न शैक्षणिक व खेलकूद से संबंधित प्रतियोगिताओं में विजेता रहे विद्यार्थियों को मेडल, ट्रॉफी व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कड़ी मेहनत, दृढ़ता और भविष्य के निर्माताओं के जीवन मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष आशीष कुमार अग्रवाल ने कहा कि बच्चों को ऐसी शिक्षा देनी चाहिए जो उनके लिए रुचिकर हो ताकि वह स्वालंबी बने व अपना जीवकोपार्जन कर सकें। सचिव राजीव अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ संस्कारी बनाना भी हमारा उद्देश्य है क्योंकि यही हमारे देश का भविष्य है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भूपेंद्र अग्रवाल, दिनेश चंद्र अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, अनुराग अग्रवाल, रवीश अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, नीलेश टाटा, ब्रिज मोहन अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, रीता मित्तल व सुधीर हलवासिया उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी अभिभावकों ने कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की।

बिना कागजात के चल रहे ई रिक्शा चालकों पर सीओ ट्रैफिक ने किया कार्यवाही

अयोध्या। इस समय जहां एक ओर आरटीओ विभाग के एआरटीओ प्रवर्तन/प्रशासन डॉ आर पी सिंह शहर मे बिना कागजात व अवैध रुप से चला रहे ई रिक्शा चालकों पर शिकंजा कसने मे जुटे हुए है।वहीं गुरुवार को शहर के अन्य चौराहों पर सीओ ट्रैफिक अरविन्द सोनकर ने यातायात पुलिस टीम के साथ शहर क्षेत्र में रिकाबगंज चौराहा, देवकाली, शान्ति चौक व अन्य स्थानों पर अनधिकृत और अवैध रूप से संचालित ई–रिक्शा और ऑटो रिक्शा वाहनों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया।

इस अभियान के दौरान उन्होंने उन ई रिक्शा चालक के वाहन चालकों पर कार्यवाही किया जो बिना कागजात के तथा तय रूट से हटकर चल रहे थे। वही इस दौरान ई रिक्शा चालक को चला रहे नाबालिक को ई रिक्शा न चलने के लिए कहा।इस मौके पर उन्होंने आमजन से अपील है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, पुलिस व प्रशासन का सहयोग करें ताकि प्रदेश की सड़कों को सुरक्षित बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि यह अभियान शासन के निर्देश पर 30 अप्रैल तक लगातार जारी रहेगा।

सांसद रामजीलाल ने सदन को किया कलंकित, सदस्यता हो समाप्त

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,राज्यसभा में सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा मेवाड़ के सम्राट राणा सांगा पर की गई अभद्र टिप्पणी का विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। गुरुवार को राजपूत सेवा समिति के सदस्यों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की। समिति के सदस्यों ने रामजीलाल सुमन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी दिनेश चंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपा। पहले से निध ारित समय के अनुसार कलेक्ट्रेट परिसर में पत्रकार भवन पर समिति के सदस्य दिन में लगभग साढ़े दस बजे एकत्रित हुए। आधे घंटे बाद ही वहां से हाथों में बैनर लिए रामजीलाल सुमन के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में घूम घूमकर नारेबाजी की। समिति के सदस्य ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि सांसद रामजीलाल सुमन के बयान से राणा सांगा, उनके वंशज और पूरे हिंदू समाज की प्रतिष्ठा को नुकसान हुआ है। ऐसे महान योद्धा को देश की सबसे बडी पंचायत में बदनाम किया जिसने देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए मुगलों से भीषण युद्ध किया। उनका यह बयान अक्षम्य है। उन्होंने सदन को कलंकित करने के साथ साथ राजपूत समाज ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि मुगलों के खिलाफ बहादुरी से लड़ने वाले वीर शिरोमणि राणा सांगा का अपमान क्षत्रिय समाज बर्दाश्त नहीं करेगा। ज्ञापन के माध यम से समिति के लोगों ने राष्ट्रपति से रामजीलाल सुमन की संसद सदस्यता को रद्द करने के साथ–साथ उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। इस अवसर पर राजपूत सेवा समिति के सदस्य वशिष्ठ नारायण सिंह, सूर्य प्रकाश सिंह मुन्ना, वीरेंद्र प्रताप सिंह, शशि मोहन सिंह क्षेम, रत्नाकर सिंह, डाक्टर बीबी नवाब, प्रदीप सिंह सफायर, अजीत सिंह, शशि प्रकाश सिंह, रवींद्र प्रताप सिंह, रविन्द्र नारायण सिंह, वीआईपी सिंह, डा. सिद्धार्थ सिंह, अमर बहादुर सिंह, डा. आलोक सिंह, घनश्याम सिंह, सर्वेश सिंह, धर्मेंद्र सिंह, मुन्ना सिंह, शरद सिंह सहित भारी संख्या में समिति के सदस्य मौजूद रहे।

एस०टी०एफ० इंडिया में सेवालाल पाल बने प्रदेश विधि सलाहकार

देश की उपासना

धनन्जय विश्वकर्मा

जौनपुर। शेफर्ड टाइगर फोर्स इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेफर्ड धामू पाल के आदेश पर एवं प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार पाल के अनुमोदन पर अधिवक्ता सेवालाल पाल को उनके सामाजिक और राजनीतिक सक्रियता को देखते हुए शेफर्ड टाइगर फोर्स इंडिया में प्रदेश विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त किया हुआ है। इस दौरान सेवालाल पाल ने कहा कि हमें शीर्ष नेतृत्व ने जो भी जिम्मेदारी दिया हुआ है उसका हम बखूबी तरह निर्वहन करेंगे और शेफर्ड टाइगर फोर्स इंडिया को जौनपुर के साथ ही पूरे प्रदेश में मजबूती प्रदान कर सामाज के हक व अधिकारो के

लिए संघर्ष करेंगे। इस दौरान अधिवक्ता साथियों ने और समाज के सम्मानित लोगों ने आकर फूल मालाओं से श्री पाल का स्वागत किया। मुख्य रूप से उपस्थित रहे प्रदेश सचिव पूर्वांचल अच्छे लाल पाल प्रमोद पाल अधिवक्ता सूर्यप्रकाश पाल पूर्व प्रधान पंडित पाल नन्हे पाल एडवोकेट अखिल मिश्रा एडवोकेट उन्नत सिंह चेयरमैन दीपक सिंह क्षेत्राधिकारी कार्यालय बदलापुर एडवोकेट मनोज यादव एडवोकेट धीरज पाल एडवोकेट श्रीकांत मिश्रा सौरभ पांडे एडवोकेट विवेक कुमार पांडे एडवोकेट धीरेंद्र विक्रम सिंह रामप्रकाश पल अधिवक्ता दीवानी व आदि लोगों ने पहुंचकर माला पहनाकर शुभकामनाएं दिया।

अखिल भारतीय कायस्थ कायस्थ महासभा ने लगाया स्वस्थ शिविर

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लोहिया पार्क, कृषि भवन पालिटेक्निक में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 2150 ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर सुबह 6 बजे से 8:30 बजे तक चला। इस शिविर में प्रयास डाईग्नोस्टिक सेन्टर वाजिदपुर तिराहा, संजीवनी निदान केन्द्र जहॉगीराबाद और लाईफ केयर हास्पिटल नईगंज के चिकित्सकों ने सेवाएं दीं। शिविर में 168 लोगों की मधुमेह की जांच की गई, जबकि 315 लोगों ने रक्तचाप और नब्ज की जांच कराई। कार्यक्रम में कायस्थ महासभा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजीव श्रीवास्तव और राष्ट्रीय महासचिव पंकज श्रीवास्तव हैप्पी मौजूद रहे। प्रदेश उपाध्यक्ष शरद श्रीवास्तव और प्रदेश सचिव बृजेन्द्र खरे भी शिविर में उपस्थित थे। जिला स्तर के पदाधिकारियों में जिला अध यक्ष अवधेश श्रीवास्तव और जिला महासचिव नवनीत श्रीवास्तव सहित कई वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में ईशा हॉस्पिटल के मैनेजर निर्मल श्रीवास्तव ने डॉ. रजनीश श्रीवास्तव के ईशा हॉस्पिटल का कैलेंडर सभी को भेंट किया।

जौनपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष के माता जी के निधन पर शोक सभा, साथियो ने दिया श्रद्धांजलि

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर प्रेस क्लब की एक आवश्यक बैठक वरिष्ठ उपाध्यक्ष विश्व प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में ट्यूबेल कालोनी तिराहा स्थित कैंप कार्यालय पर किया गया ।बैठक में प्रेस क्लब के अध्यक्ष शम्भू सिंह जी की पूजनीय माता जी व वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक सिंह की दादी जी का हृदय गति रुक जाने के कारण के 25 मार्च को देहावसान होने पर शोक व्यक्त किया गया, साथ ही दो मिनट का मौन रख कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।शोक सभा में प्रमुख रूप से वीरेंद्र प्रताप सिंह, अभिषेक पांडेय, दिवाकरदुबे, अजय सिंह ,सर्वेश सिंह, सोनू उपाध्याय , सुजीत वर्मा ,सरस सिंह, अजय प्रताप पाल, लक्ष्मी मौर्य ,कैलाश मौर्य एडवोकेट,शशांक मौर्य,विपिन मौर्य आदि लोग मौजूद रहे।शोक सभा का संचालन क्लब के महामंत्री आशीष पांडेय ने किया।संघटन के जिला उपाध्यक्ष कुंवर दीपक सिंह ने जौनपुर प्रेस क्लब के सभी साथियों से 6अप्रैल को आयोजित ब्रह्मभोज में शामिल होने का आग्रह किया है।

राणा सांगा के समाधि स्थल का करायेगी सौंदर्यी करण भारतीय केशरिया वाहिनी – मनोज श्रीवास्तव

अयोध्या। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के मांडलगढ़ में स्थित शेरे ए हिंद महाराणा सांगा के समाधि स्थल को सौंदर्यीकरण का कार्य भारतीय केसरिया वाहिनी कराया जाएगा। उक्त उदगार वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज कृष्ण श्रीवास्तव जी ने राज्यस्थान प्रवास के बाद एक मुलाकात के दौरान कही। इस मौके पर श्री श्रीवास्तव ने कहा कि राणा सांगा एक महान योद्धा थे और उन पर पूरे देश के लोगो को अभिमान है। उन्होंने बताया कि राणा सांगा जी की समाधि दुर्दशावस्था की हालत में है जो की बहुत ही चिंता का विषय है।शूरवीरों का जो सम्मान देश में होना चाहिए थे उसे दिलाने के लिए भारतीय केसरिया वाहिनी देश व्यापी कार्यक्रम चलाएगी।उन्होंने कहा कि देश के शूरवीर किसी जाती अथवा मजहब के नहीं बल्कि राष्ट्र के गौरव होते है और उनका अपमान सीधे देशद्रोह होता है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।